(घ) वर्ष 1990-91 के लिए 490 लाख मी० टन सीमेंट उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित करने का प्रस्ताव है।

एयरबस ए-320 विमानों के निरापद परिचालन के लिए इंडियन एयर लाइन्स को उत्पादकता के संबंध में रामदास समिति का प्रतिवेदन

35. **श्री राम जेठमलानी :** क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ए-320 विमानों के निरापद परिचालन के लिए इंडियन एयरलाइंस को तत्परता के संबंध में रामदास समिति का प्रतिवेदन सरकार को प्राप्त हो गया है ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और क्या सरकार ने प्रतिवेदन में अंतर्विष्ट सिफ़ारिशों को कार्यान्वित करने का निर्णय किया है ; और

(ग) क्या सरकार द्वारा समिति का प्रतिवेदन प्रकाशित किया जाएगा ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) से (ग) रामदास समिति की अंतरिम रिपोर्ट प्राप्त हो गई है और सरकार के विचाराधीन है।

विद्युत उत्पादन में कमी

36. **श्री राम जेठमलानी :**

सरदार जगजीत सिंह अरोडा :

क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 14 अप्रैल, 1990 के "फ़ाइनेन्शियल एक्सप्रेस" में "पावर सीन वर्सनिंग" शीर्षक के अन्तर्गत छपे समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि 1990 की तिमाही के दौरान विद्युत उत्पादन इस संबंध में निर्धारित लक्ष्य से कम हुआ है ;

(ग) क्या सरकार ने आगामी महीनों में विद्युत की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए विद्युत उत्पादन में वृद्धि करने के लिए उपाए किए हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) से (ग) 1990 की प्रथम तिमाही के दौरान ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य की अपेक्षा वास्तविक उत्पादन निम्नानुसार दर्शाया गया है :—

(आंकड़े मिलियन यूनिट में)

	जनवरी, 1990	फ़रवरी, 1990	मार्च, 1990
ताप विद्युत			
लक्ष्य	18153	16731	18433
वास्तविक	17419	15400	16645
%	96.0	92.0	90.3
न्यूक्लीय			
लक्ष्य	602	570	647

(आंकड़े मिलियन यूनिट में)

	जनवरी 1990	फरवरी 1990	मार्च, 1990
वास्तविक	394	471	564
%	65.4	82.6	90.0
जल विद्युत			
लक्ष्य	4648	4280	4801
वास्तविक	4148	3894	4485
%	89.2	91.0	93.4
जोड			
लक्ष्य	23403	21581	23861
वास्तविक	21961	19765	21694
%	93.8	91.6	90.9

(घ) और (ङ) देश में विद्युत की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए अनेक उपाए किए गए हैं । इनमें ये शामिल हैं ; नई विद्युत उत्पादन क्षमता को शीघ्र चालू करना, अल्पावधि में निर्माण की जाने वाली परियोजनाओं को क्रियान्वित करना, विद्यमान विद्युत केन्द्रों के कार्य निष्पादन में सुधार करना, पारेषण और वितरण हानियों को कम करना, ऊर्जा संरक्षण संबंधी उपाए अपनाना तथा फ़ालतू ऊर्जा वाले क्षेत्रों से कम ऊर्जा वाले क्षेत्र को ऊर्जा अंतरण करने का प्रबंध करना, ग्रिड प्रचालन का सघन रूप से मानीटरिंग करना और विद्युत सप्लाई स्थिति से संबंधित समन्वय कार्य करना ।

सीमेंट के मूल्य में वृद्धि

37. श्री राम जेठमलानी :
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अप्रैल, 1990 के दौरान देश के विभिन्न भागों में 50 किलोग्राम के सीमेंट के बोरे का मूल्य 90/- रुपये कर दिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने सीमेंट के मूल्य में इस अभूतपूर्व वृद्धि को रोकने के लिए कोई प्रभावी कदम उठाये हैं ;

(ग) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ; और

(घ) इस संबंध में उठाये गये प्रभावी कदमों के परिणाम का ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्री (श्री अजीत सिंह) : (क) व्यस्ततम निर्माण अवधि के दौरान सीमेंट के मूल्यन में वृद्धि देखी गयी है । सीमेंट के मूल्यों में यह वृद्धि इस वर्ष मार्च, 1990 तक धीरे-धीरे होती रही है। लेकिन, अप्रैल में यह वृद्धि अत्यधिक हुई है । मार्च, 1990 और 19-4-1990 की स्थिति के अनुसार चार महानगरों में खुले बाजार में सीमेंट के मूल्य दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न है ।

(ख) और (ग) (i) प्रमुख सीमेंट उत्पादन अपने भंडारण बाह्य मूल्य को 31 मार्च, 1990 के मूल्य तक लाने के लिए सहमत हो गये हैं ।

(ii) राज्य सरकारों/केन्द्र शासित क्षेत्र प्रशासनों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि सीमेंट के मूल्य